भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3181

13 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

योग विश्वविद्यालय की स्थापना

3181. श्री देवेश चन्द्र ठाकुर:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने देश में योग विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं अथवा स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने और इस संबंध में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से योग और प्राकृतिक चिकित्सा को विद्यालयी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने का विचार है या बनाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय देश में अपने तीन स्वायत्त निकायों नामतः मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा दे रहा है। एमडीएनआईवाई में योग शिक्षा के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों की व्यवस्था है। सीसीआरवाईएन योग और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान और विकास के लिए शीर्ष निकाय है। एनआईएन जो प्राकृतिक चिकित्सा के लिए एक प्रमुख संस्थान है, प्राकृतिक चिकित्सा और योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। एमडीएनआईवाई, सीसीआरवाईएन और एनआईएन की गतिविधियाँ और कार्यक्रम क्रमशः संबंधित वेबसाइटों यथा yogamdniy.nic.in, www.ccryn.gov.in और ninpune.ayush.gov.in पर उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय देश में योग सहित विभिन्न आयुष पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना को लागू कर रहा है और उन्हें राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारें एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत, आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के माध्यम से 12,500 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन कार्य को कार्यान्वित कर रहा है। इन सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में, योग्य योग प्रशिक्षकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य संवर्धन के लिए समुदाय-आधारित इंटरवेंशन के रूप में जनसामान्य को योग सिखाया जा रहा है।

इसके अलावा, मंत्रालय द्वारा एक सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) योजना भी तैयार की गई है, जिसके तहत योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों तक पहुंचने के कदम शामिल हैं। आईईसी गतिविधियों में सार्वजनिक कार्यक्रम, सम्मेलन, प्रदर्शनियां, शिविर और टीवी, रेडियो, प्रिंट-मीडिया आदि पर कार्यक्रम शामिल हैं।

(ख): देश में किसी भी योग विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए इस मंत्रालय के पास वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) और (घ): वर्तमान में केंद्रीय स्तर पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा के लिए कोई विनियमन नहीं है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ), 2005 में स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के अभिन्न अंग के रूप में योग की सिफारिश की गई है। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा, कक्षा I से कक्षा X तक अनिवार्य विषय के रूप में और कक्षा XI से XII तक वैकल्पिक विषय के रूप में है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहले ही कक्षा I से कक्षा X तक के लिए स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पर एकीकृत पाठ्यक्रम विकसित कर लिया है।

*****